रक्षा मंत्री (श्री जगजीवन राम) : (क) तथा (ख) सूचना अभी एकत्रित हो रही है।

(ग) सफाई तथा मैस कर्मचारियों का सर्विस रिकार्ड एक स्थान पर केन्द्रित करके नहीं रखा जाता है। अपेक्षित सूचना को देश भर में फैली विभिन्न यूनिटों से एकत्रित करना है।

f[THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIVAN RAM) : (a) The information is uiider collection.

(b) Does not arise.

(c) Records of service of Sanitary Staff and Mess workers are not centrally maintained. The requisite information has to be collected frcm various Units spread all over the country.]

ऊंचे मूल्य के करेन्सी नोटों का विमुद्रीकरण

544. **श्री राम सहाय :**
श्री सूरज प्रसाद :
श्री वेणीगल्ल सत्यनारायण :

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ऊंचे मूल्य के करेंसी नोटों के विमुद्रीकरण की कोई योजना है; यदि हां तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ख) 100 रुपये से मूल्य वाले करेंसी नोटों का ब्यौरा क्या है, और इस समय एक हजार रुपये मूल्य वाले कितने नोट प्रचलन में हैं ?

f [DEMONETISATION OF HIGH DENOMINATION CURRENCY NOTES

544. SHRI RAM SAHAI:
SHRI SURAJ PRASAD: SHRI VENIGALLA SATYA-NARAYANA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether there is a scheme for demo-netisation of high-denomination currency notes; if so, the details thereof; and

(b) the details of currency notes with denominations above rupees hundred and also the number of one thousand rupees currency notes which are in circulation at present ?]

राजस्व तथा व्यय मंत्री (श्री के० आर० गणेश) : (क) जी, नहीं। ऊंचे मूल्य के करेंसी नोटों के विमुद्रीकरण की कोई योजना नहीं है।

(ख) 100 रु० के नोटों से ऊपर 1,000 रु०, 5,000 रु० और 10,000 रु० मूल्य के नोट जारी किये जाते हैं। 1,000 रु० के जो नोट परिचलन में हैं उनकी संख्या 29-2-1972 को 3,92,867 थी।

| [THE MINISTER OF REVENUE AND EXPENDITURE (SHRI K. R. GANESH) (a) : No Sir. There is no scheme for demonetisation of high denomination currency notes.

(b) Avove +Rs. 100 denomination, notes are issued in the denominations of Rs. 1,000, Rs. 5,000 and Rs. 10,000. The number of Rs. 1,000 notes in circulation as on 29.2.1972 is 3,92,867 pieces.]

STAFF QUARTERS AT RANCHI FOR INCOME TAX DEPARTMENT

545. SHRI DHARAM CHAND JAIN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state whether it is a fact that the Income-tax Department had acquired land for the construction of staff quarters at Ranchi about 15 years ago; if so, what has been the progress of construction there ?

THE MINISTER OF REVENUE AND EXPENDITURE (SHRI K. R. GANESH) : Though land was purchased in 1957 and construction of staff quarters approved thereafter, no progress could be made due to the financial stringency and declaration of National Emergency in 1962, as a result of which construction activity was suspended. The commissioner of Income-tax has recently been asked to submit

specific proposals, inter alia, for construction of staff quarters where land is available.

राजस्थान में ऐतिहासिक भवन

546. **श्री जगदीश प्रसाद माथुर :**
श्रीमती लक्ष्मीकुमारी चूंडावत :

क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में ऐतिहासिक महत्व के वे कौन से स्थान हैं जहां पर सरकार पर्यटन सुविधाएं उपलब्ध कराने का विचार करती है; और

(ख) मेवाड़ के ऐतिहासिक स्थानों के विकास के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं ?

f [HISTORICAL PLACES IN RAJASTHAN

546. SHRI JAGDISH PRASAD MATHUR: SHRIMATI LAKSHMI KUMARI CHUNDAWAT:

Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) the names of places of historical importance in Rajasthan for which Government propose to provide tourist facilties; and

(bj the steps taken by Government for the development of the historical places of Mewar ?J

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) सरकार का चालू योजनावधि के दौरान जयपुर, जैसलमेर तथा उदयपुर में पर्यटन सुविधाएं प्रदान करने का प्रस्ताव है। पिछली योजनाओं में, माउंट आबू, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, तथा जयपुर में सुविधाएं प्रदान की गयी थीं। इनके अलावा, राज्य सरकार को दूसरी पंचवर्षीय योजना के भाग I के अन्तर्गत बूंदी, माउंट आबू, भरतपुर, जोधपुर, अजमेर एवं चित्तौड़गढ़ में पर्यटन ब्यूरो खोलने में सहायता दी गयी।

(ख) मेवाड में पिछली योजनाओं में निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की गयीं :

	रुपये
(1) चित्तौड़गढ़ में एक पर्यटन ब्यूरो की स्थापना	6,811
(2) उदयपुर में फतहसागर झील में द्वीप का सौंदर्यवर्धन	3,30,000
(3) उदयपुर के समीप सास बाहू मन्दिरों तक पहुंच मार्ग का निर्माण	1,05,000
(4) चित्तौड़गढ़ में वन में कैंटीन	30,117
(5) उदयपुर में पर्यटक बंगला	75,000

चौथी योजनावधि के दौरान, भारत पर्यटन विकास निगम लगभग 25 लाख रुपये की लागत से उदयपुर में लक्ष्मी विलास पैलेस होटल में 20 कमरों की वृद्धि करेगा। कार्य प्रगति पर है तथा इसके अक्तूबर, 1972 तक पूरा हो जाने की आशा है।

|[THE MINISTER OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (DR. KARAN SINGH): (a) Government propose to provide tourist facilities during the present Plan period at Jaipur, Jaisalmer and Udaipur. In the earlier Plans facilities were provided at Mt. Abu, Udaipur, Chittorgarh and Jaipur. In addition the State Government was assisted in opening Tourist Bureau at Bundi, Mt. Abu, Bharatpur, Jodhpur, Ajmer Chittorgarh under Part I of the Second Five Year Plan.

(b) In Mewar the following facilities were provided in the earlier plans:—

	Rs.
(1) Establishment of a Tourist Bureau at Chittorgarh	6,811
(2) Beautification of the island in Fatehsagar Lake at Udaipur.	3,30,000

f i I Eng ish translation.